मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : मिलोस केरकेज

नई दिल्ली

इंग्लिश प्रीमियर लीग में लिवरपूल और मैनचेस्टर सिटी के बीच होने वाले बड़े मुकाबले से पहले लिवरपूल के डिफेंडर मिलोस केरकेज ने कहा कि उनकी टीम को मैनचेस्टर सिटी जैसी मजबूत टीम के खिलाफ जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

जियोस्टार को दिए गए एक साक्षात्कार में केरकेज ने टीम की रक्षात्मक कमजोरियों में सुधार, मैनेजर आंदोनी इराओला के साथ काम करने और मैनचेस्टर सिटी की चुनौती को लेकर विस्तार से बात की।

शुरुआती मुकाबलों में ज्यादा गोल खाने को लेकर केरकेज ने कहा, सीजन की शुरुआत में हमारे लिए, खासकर डिफेंडरों के तौर पर, इतने ज्यादा गोल खाना काफी निराशाजनक रहा है। हम क्लीन शीट चाहते हैं और हमलावर गोल करना चाहते हैं। इसलिए, हमने इस सप्ताह उन चीजों को सुधारने पर काम किया है और मुझे लगता है कि मैच शुरू होने के बाद इसमें सुधार होना चाहिए। हमने बैठकें कीं, डिफेंडरों के लिए हमेशा वीडियो विश्लेषण किया। इसलिए, हम इस मामले में काफी सुधार करना चाहते हैं और हमारे पास ऐसा करने की गुणवत्ता भी है, और हमें ऐसा करना चाहिए। हम जानते हैं कि हमें रक्षात्मक रूप से बेहतर होना होगा। अभी सीजन की शुरुआत ही है, इसलिए इसे सुधारने के लिए समय है। हमें बस काम करते रहना है और अगले मैच पर ध्यान केंद्रित रखना है।

आखिरी तक लड़ने की मानसिकता – टीम के अंत तक संघर्ष करने की भावना पर उन्होंने कहा, हम अंत तक लड़ते हैं, यही हमारे अंदर है। यही इस क्लब की पहचान है। लेकिन न्यूकैसल यूनाइटेड और नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ दोनों मैचों में हमें पीछे होने के बाद वापसी करनी पड़ी और यह आदर्श स्थिति नहीं है। इसलिए हमें रक्षात्मक बदलावों में सुधार करना होगा और यह तय करने के मामले में एकदम सही होना होगा कि कौन सा डिफेंडर पीछे रहकर बचाव करेगा और कौन आगे जाकर हमलावरों की मदद करेगा। हम हर मैच में पीछे से वापसी नहीं करना चाहते, हम शुरुआत से ही जीत की स्थिति में रहना चाहते हैं। हमें यही मानसिकता रखनी होगी। हम देर से होने वाली वापसी पर लगातार निर्भर नहीं रह सकते। हमें मजबूत शुरुआत करनी होगी, एक इकाई के रूप में संगठित रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि विपक्षी टीम को पहले गोल करने के आसान मौके न मिलें।

इराओला के साथ सकारात्मक माहौल मैनेजर आंदोनी इराओला के साथ काम करने को लेकर केरकेज ने कहा, लिवरपूल आने से पहले मैंने बोर्नमाउथ में इराओला के साथ दो साल काम किया है और मैं उन्हें काफी अच्छी तरह जानता हूं। क्लब में मेरे साथी खिलाड़ी भी उनके आने से खुश हैं। उन्हें इराओला पसंद हैं, उनकी कोचिंग शैली पसंद है और प्रशिक्षण सत्र भी काफी मजेदार होते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उनके नेतृत्व में सकारात्मक माहौल में काम करना हमारे क्लब के लिए अच्छा है। हम काफी गहन तरीके से काम करते हैं और अगर हमें खिताब के लिए चुनौती पेश करनी है तो हमें ऐसा ही करना होगा और हर कोई खुश है।।

खिलाड़ी अब उस शैली के अधिक अभ्यस्त हो रहे हैं, जिसमें इराओला हमें खेलाना चाहते हैं। हमने उनके साथ पूरा प्री-सीजन बिताया और उस दौरान की गई कड़ी मेहनत अब प्रीमियर लीग के मैचों में नजर आ रही है। हमें कुछ चीजों को सुधारना होगा जो सही नहीं थीं, लेकिन इसके अलावा हमारे पास गुणवत्ता है और जिन चीजों को वह हमसे कराना चाहते हैं, उनके साथ हम निश्चित रूप से खिताब के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं।

नए खिलाड़ियों की तारीफ – नए साथी खिलाड़ियों विक्टर मुनोज, अलेक्जेंडर इसाक और ब्रैडली बारकोला को लेकर केरकेज ने कहा, विक्टर ने न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ हमारी काफी मदद की।

न्यूज ब्रीफ

'दाऊ साहेब' इंटर स्कूल क्रिकेट स्पर्धा में कैंपियन और डीपीएस जीते

भोपाल। डॉ. गोविंद नारायण सिंह 'दाऊ साहेब' इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को खेले गए मुकाबलों में कैंपियन स्कूल (भौंरी) और डीपीएस (नीलबड़) ने शानदार जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में कैंपियन स्कूल ने बैंक ऑफिसर्स को 10 विकेट से हराया, जबकि दूसरे मैच में डीपीएस (नीलबड़) ने सेंट जोसेफ स्कूल (अरेरा कॉलोनी) को 77 रन से शिकस्त दी। पहले मैच में टॉस जीतकर बैंक ऑफिसर्स ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम 23.2 ओवर में 54 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। अंशु विश्वकर्मा ने सर्वाधिक 17 रन बनाए।

कैंपियन स्कूल की ओर से आदि ने छह और युवराज ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंपियन स्कूल ने छह ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 55 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। सहर्ष ने 21 और आबान ने 30 रन बनाकर नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिलाई। दूसरे मुकाबले में डीपीएस (नीलबड़) ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 25 ओवर में छह विकेट पर 171 रन बनाए। युग रघुवंशी ने 56 रन की पारी खेली, जबकि रजवीत सिंह 35 रन बनाकर नाबाद रहे। सेंट जोसेफ स्कूल की ओर से वेद पाठक ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट जोसेफ स्कूल की टीम 19.4 ओवर में 94 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। पुर्वेश माथनकर ने 25 और तनिश ने 23 रन बनाए। डीपीएस की ओर से रजवीत सिंह और आशील मोहम्मद ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि युग रघुवंशी ने दो विकेट हासिल किए। इस तरह डीपीएस (नीलबड़) ने 77 रन से मुकाबला जीत लिया।

न्यूजीलैंड के अनुभवी आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल बीबीएल-16 के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़े

मेलबर्न। न्यूजीलैंड के अनुभवी आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल बिग बैश लीग (बीबीएल) के 16वें सत्र के लिए मेलबर्न रेनेगेड्स से जुड़ गए हैं। ब्रेसवेल के आने से रेनेगेड्स के विदेशी खिलाड़ियों के दल को मजबूती मिली है। वह बल्ले और गेंद दोनों से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। ब्रेसवेल आगामी सत्र के लिए रेनेगेड्स के दूसरे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले इंग्लैंड के बल्लेबाज जानी बेयरस्टो को टीम ने अपने साथ जोड़ा था। इससे मेलबर्न की टीम को अपनी अंतिम एकादश तैयार करने के लिए एक और अनुभवी विकल्प मिला है। 35 वर्षीय ब्रेसवेल ने 2022 में न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने खुद को तीनों प्रारूपों में उपयोगी खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। वह एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड की कप्तानी भी कर चुके हैं। हालांकि, उनकी उपयोगिता केवल अंतरराष्ट्रीय रिकार्ड तक सीमित नहीं है। उन्होंने दुनिया की कई प्रमुख फ्रेंचाइजी टी-20 प्रतियोगिताओं में भी प्रभाव छोड़ा है। ब्रेसवेल 200 से अधिक टी20 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 135 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 3,600 से ज्यादा रन बनाए हैं। गेंदबाजी में उनके नाम 100 से अधिक विकेट हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग, पाकिस्तान सुपर लीग, मेजर लीग क्रिकेट, द हंड्रेड और सुपर स्मैश जैसी प्रतियोगिताओं में खेल चुके हैं।

आगा की जगह साहिबजादा फरहान बने पाकिस्तान टी20 टीम के नये कप्तान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बार फिर कप्तानी में बदलाव करते हुए सलमान आगा को बाहर कर साहिबजादा फरहान को टीम की कमान सौंप दी है। फरहान श्रीलंका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज से अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की लगातार बदलती रणनीतियों का अंदाजा होता है। साहिबजादा फरहान, जिन्होंने हाल ही में एशियाई खेलों में पाकिस्तान टीम की अगुवाई की थी और अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया था, को अब सीनियर टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं आगा को महज कुछ समय पहले ही टी20 कप्तान बनाया गया था, पर उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन शायद उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा, जिसके चलते यह बड़ा फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि पाक क्रिकेट में कप्तानी में लगातार बदलाव होते रहे हैं और हर सीरीज या बड़े टूर्नामेंट से पहले नए खिलाड़ी को आजमाया जाता है हालांकि ये टीम के भीतर स्थिरता पर सवाल उठाता है और खिलाड़ियों के मनोबल को प्रभावित करता है। गौरतलब है कि फरहान की अगुवाई में पाकिस्तान टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

टेनिस प्रीमियर लीग के आठवें सत्र के लिए रोहन बोपन्ना समेत आठ मार्की खिलाड़ी घोषित

मुंबई

भारतीय टेनिस दिग्गज रोहन बोपन्ना और अंतरराष्ट्रीय सितारे रोमन बुरुचागा तथा रिकी हिजिकाता समेत आठ खिलाड़ियों को किआ टेनिस प्रीमियर लीग के आठवें सत्र के लिए मार्की खिलाड़ी घोषित किया गया है। खिलाड़ियों की नीलामी 12 अक्टूबर को मुंबई के फोर सीजन्स होटल में होगी। आठ फ्रेंचाइजी-मुंबई रायल्स, राजस्थान रेंजर्स, गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स, कोलकाता थंडर ब्लेड्स, लखनऊ ब्लेजर्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, गुजरात पैंथर्स और जीएस दिल्ली एसेस-नीलामी में अपने मार्की खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द टीम तैयार करेंगी।

गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स की ओर से खेलेंगे 46 वर्षीय रोहन बोपन्ना मार्की खिलाड़ियों में सबसे बड़ा नाम हैं। बोपन्ना पुरुष युगल में पूर्व विश्व नंबर एक और दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल और 2024 आस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता था। पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित बोपन्ना भारतीय टेनिस के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं।

बोपन्ना ने कहा, मैं टीपीएल में वापस आने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। हर साल लीग मजबूत होती जा रही है और मुझे टीम का माहौल तथा इस प्रारूप से मिलने वाली ऊर्जा बहुत पसंद है। इस साल मुकाबला बहुत कड़ा होगा, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा भारतीय प्रतिभाओं का शानदार मिश्रण है। हैदराबाद का टेनिस से हमेशा मजबूत जुड़ाव रहा है, इसलिए मुझे यकीन है कि यहां का माहौल इसे और खास बनाएगा। मैं प्रतिस्पर्धा करने, अनुभव का आनंद लेने और फिर से कोर्ट पर उतरने को लेकर उत्साहित हूं।

कोलकाता थंडर ब्लेड्स का प्रतिनिधित्व अर्जेंटीना के रोमन बुरुचागा करेंगे। 24 वर्षीय बुरुचागा फिलहाल विश्व रैंकिंग में 60वें स्थान पर हैं और इस साल करियर की सर्वश्रेष्ठ 56वीं रैंकिंग हासिल कर चुके हैं। वह एटीपी टूर पर नियमित रूप से खेल रहे हैं और इस सत्र में उन पर खास नजर रहेगी।

राजस्थान रेंजर्स के मार्की खिलाड़ी आस्ट्रेलिया के रिकी हिजिकाता होंगे। हिजिकाता ने 2023 आस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल का खिताब जीता है। वह 2025 विंबलडन पुरुष युगल के फाइनल में भी पहुंचे थे और पुरुष युगल में करियर की सर्वश्रेष्ठ 23वीं रैंकिंग हासिल कर चुके हैं। वर्तमान में एकल में विश्व के 82वें नंबर के खिलाड़ी हिजिकाता का एकल अनुभव और ग्रैंड स्लैम युगल सफलता राजस्थान रेंजर्स के लिए अहम होगी।

हिजिकाता ने कहा, मैं राजस्थान रेंजर्स का हिस्सा बनने और इस सत्र में किआ टीपीएल में पदार्पण करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। 25 अंक का प्रारूप लीग को बेहद रोमांचक बनाता है और मैं हैदराबाद में मिलने वाली ऊर्जा का अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं।

मुंबई रायल्स की अगुवाई फ्रांस के टेरेन्स अतमान करेंगे, जिन्हें द मैजिशियन के नाम से जाना जाता है। 24 वर्षीय अतमान ने इस साल करियर की सर्वश्रेष्ठ 41वीं विश्व रैंकिंग हासिल की है। लखनऊ ब्लेजर्स ने चेक गणराज्य के डालिबोर स्वर्चिना को लगातार दूसरे सत्र के लिए अपना मार्की खिलाड़ी बनाया है। स्वर्चिना की करियर की सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 86वीं रही है।

हैदराबाद स्ट्राइकर्स के मार्की खिलाड़ी क्रोएशिया के डिनो प्रिज्मिक होंगे। पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक और 2023 रोलां गैरो बालक एकल चैंपियन प्रिज्मिक ने इस साल करियर की सर्वश्रेष्ठ 70वीं रैंकिंग हासिल की है। गत चैंपियन जीएस दिल्ली एसेस की ओर से आस्ट्रेलिया के एडम वाल्टन खेलेंगे। वाल्टन की करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 74 रही है और उनके पास एटीपी टूर तथा ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं का व्यापक अनुभव है।

गुजरात पैंथर्स की ओर से फ्रांस के अलेक्जांद्र मुलर लगातार दूसरे सत्र में खेलेंगे। 29 वर्षीय मुलर इस लाइन-अप के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 38 रही है।

किआ टेनिस प्रीमियर लीग का आठवां सत्र 8 से 13 दिसंबर तक हैदराबाद के एलबी टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा। मुकाबले प्रतिदिन शाम 4:30 बजे से शुरू होंगे और जियोहाटस्टार पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। लीग में पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल को शामिल करते हुए 25 अंक प्रति मैच का तेजतर्रार टीम प्रारूप जारी रहेगा।

सितंबर माह के लिए आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ नामित हुए गिल और अभिषेक शर्मा

नई दिल्ली

सितंबर माह के आईसीसी पुरुष प्लेयर आफ द मंथ पुरस्कार के लिए भारत के शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा के साथ नामित किया गया है। महिला वर्ग में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू, भारत की श्री चरणी और शेफाली वर्मा को जगह मिली है।

अभिषेक शर्मा ने सितंबर में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 229 रन बनाए, जिसमें अफगानिस्तान के खिलाफ रिकार्ड 30 गेंदों में शतक भी शामिल है। वहीं, शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों में 333 रन बनाए, जिसमें उनका दूसरा दोहरा शतक भी शामिल रहा। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल पांचवीं बार आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ पुरस्कार जीतने की दौड़ में हैं। उन्होंने तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 110 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने केवल 133 गेंदों में 223 रन की तूफानी पारी खेलकर सबसे तेज एकदिवसीय दोहरा शतक बनाया। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 406 रन के विशाल लक्ष्य को आठ विकेट शेष रहते और 39 गेंद पहले हासिल कर लिया।

जिम्बाब्वे के आलराउंडर सिकंदर रजा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में 57, 45 और नाबाद 81 रन बनाए तथा गेंदबाजी में भी किफायती रहे। उन्होंने तीन एकदिवसीय मैचों में 92.89 के स्ट्राइक रेट से 183 रन बनाए और 5.46 की इकानमी से तीन विकेट लिए। इस दौरान तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 90 रन बनाने के साथ दो विकेट भी हासिल किए।

पिछले साल सितंबर में यह पुरस्कार जीत चुके अभिषेक शर्मा ने भारत की ओर से सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकार्ड बनाया। उन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ रोहित शर्मा के 35 गेंदों में शतक के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। फिरोजशाह कोटला में अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे मैच में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने सिर्फ 34 गेंदों में 108 रन बनाए।

बीसीसीआई वीनू मांकड़ वनडे ट्राफी के लिए हिमाचल की अंडर-19 टीम घोषित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई वीनू मांकड़ वन डे एलीट टूर्नामेंट के लिए हिमाचल (मेन) की टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान नीनिहाल एटलस को सौंपी गई है। टीम में आदित्य कटारिया को उप-कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा टीम में आदित्य, अनिकेत ठाकुर, किशन कुमार, ओम महादेव, साहिल कुमार, अंश धीमान, अर्जुन पठानिया, शिवम शर्मा, अमनदीप ठाकुर, दिव्यांश ठाकुर, कृष जैन, जपनीत सिंह जयादित्य डोगरा, नीनिहाल एटलस तथा लक्षित ठाकुर शाम है। वहीं टीम में हेमन्त डोगरा को मुख्य कोच बनाया गया है। मुकेश शर्मा बालिंग कोच, रोहित कालिया सहायक कोच, राजिंदर नाहटा फिजियो, अंकुश आदित्य ट्रेनर, अंकित अरोड़ा वीडियो एनालिस्ट, संदीप कुमार साइड आर्म, भूपेंद्र सिंह चौहान मसेउर तथा विवेक धीमान बतौर मैनेजर नियुक्त किया गया है। हिमाचल के लीग मैचों का शेड्यूल प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम अपने पांच लीग मैच खेलेगी। तय शेड्यूल के मुताबिक हिमाचल प्रदेश बनाम चंडीगढ़ 8 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम दिल्ली 10 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम गुजरात 12 अक्टूबर, हिमाचल प्रदेश बनाम कर्नाटक 14 अक्टूबर तथा हिमाचल प्रदेश बनाम झारखंड के बीच 16 अक्टूबर को मैच होगा। सभी मैच विजाग के क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

नेशंस लीग में बतौर कोच जिदान की पहली घरेलू जीत, फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया

पेरिस

फ्रांस ने नेशंस लीग 2026-27 के ग्रुप ए1 मुकाबले में बेल्जियम को 4-1 से हराकर शानदार वापसी की। फ्रांस की यह जिदान के मुख्य कोच बनने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत है। वहीं इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराकर लगातार तीसरे मैच में अजेय रहने का सिलसिला जारी रखा।

स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम ने 35वें मिनट में डोडी लुकबाकियो के गोल से बढ़त हासिल कर ली थी। हालांकि, फ्रांस के स्थानापन्न खिलाड़ियों ने आखिरी 15 मिनट में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। डेसिरे डुए ने 77वें मिनट में बराबरी का गोल किया, जबकि चार मिनट बाद रयान शेरकी ने फ्रांस को बढ़त दिला दी। माइकल ओलिसे ने इसके बाद स्टॉपेज टाइम से ठीक पहले और फिर अतिरिक्त समय में गोल कर अपना दोहरा पूरा किया।

जिदान ने मैच के बाद कहा, यही फुटबाल है, यही वह चीज है जिसे हम पसंद करते हैं। मुश्किलें थीं, लेकिन यह खेल का हिस्सा है और इस तरह के मुकाबलों में ऐसा होता है। चीजों को सही करना अच्छा है और हमने असाधारण दूसरे हाफ के साथ ऐसा किया। पहले हाफ में हम अंतिम कुछ मीटर में कमी महसूस कर रहे थे, लेकिन फिर हमने मैच का रुख बदल दिया और यह अच्छा रहा।

बेल्जियम को बढ़त तब मिली जब डोडी लुकबाकियो फ्रांस की आगे बढ़ी हुई रक्षापंक्ति को चकमा देकर रोमियो लाविया के लंबे पास तक पहुंचे और अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे गोलकीपर गिलाउम रेस्टे को आमने-सामने की स्थिति में छकाकर गोल किया।

2018 विश्व कप विजेता फ्रांस, कप्तान किलियन एमबाप्पे के बिना खेलते हुए, गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहा, लेकिन बेल्जियम की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने मौके बनाने में नाकाम रहा। यह लगातार आठवां मैच था जिसमें फ्रांस ने पहले हाफ में कोई गोल नहीं किया।

मैच के 60वें मिनट में ओलिसे और शेरकी मैदान पर आए, जबकि डुए को 12 मिनट बाद उतारा गया। इसके बाद फ्रांस के हमलों में तेजी आई।

ओलिसे ने कहा, हमने अंत में अच्छा खेला। पहले हाफ में उनकी निचली रक्षापंक्ति के खिलाफ मुश्किल थी। इसके बाद हम लगातार प्रयास करते रहे और अंत में अच्छा परिणाम मिला। यह टीम का प्रयास है। जिदान अपने विचार लेकर आते हैं और हम उनका अनुसरण करते हैं। हम इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे।

बेल्जियम के गोलकीपर मार्टेन वांडेवोर्ट ने ब्रैडली बारकोला, एस्टेबान लेपाउल, ओलिसे और शेरकी के प्रयासों को रोककर अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन डुए के शाट को रोक नहीं सके। पेरिस सेंट-जर्मेन के इस विंगर ने बाक्स के किनारे से बाएं पैर से शानदार शाट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। चार मिनट बाद ओलिसे ने शानदार प्रदर्शन की शुरुआत की। उन्होंने शेरकी के लिए क्रास दिया, जिस पर शेरकी ने गोल कर फ्रांस को बढ़त दिलाई। इसके बाद ओलिसे ने तीन मिनट के भीतर करीब से दो गोल कर फ्रांस की जीत को शानदार बना दिया। इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया दूसरे मुकाबले में इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इटली की ओर से जियानलुका स्कामाका, रिकार्डो कालाफियोरी और पियो एस्पोसितो ने गोल किए।

हरमनप्रीत कौर ने सभी प्रारूपों में छोड़ी भारत की कप्तानी, कहा- मैंने अपना कर्तव्य निभाया

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एकदिवसीय विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सभी प्रारूपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। हरमनप्रीत 2018 से पूर्णकालिक टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान और 2022 से एकदिवसीय कप्तान थीं। टेस्ट क्रिकेट में भी वह भारत की कप्तान थीं। उन्होंने महान खिलाड़ी मिताली राज के बाद टीम की कमान संभाली थी।

हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर अपने भावुक संदेश में लिखा, मैं सभी प्रारूपों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से हट रही हूं। यह आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल जुड़े हैं, जो जीवन भर मेरे साथ रहेंगे। मैंने इस टीम और भारतीय महिला क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है—अपना खून, अपना पसीना, अपना समय और कई बार अपने खेल तथा निजी महत्वाकांक्षाओं का एक हिस्सा भी। ऐसे मौके आए जब मुझे अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन,

अपने विकास और अपने लिए जो कुछ चाहती थी, उसे पीछे रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को हमेशा सबसे पहले रखना चाहिए।

उन्होंने आगे लिखा, कप्तान के तौर पर मुझे कठिन फैसले लेने पड़े। ऐसे फैसले जिन्हें हमेशा समझा नहीं गया, जो हमेशा आसान नहीं थे और कभी-कभी जिनकी व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका एक ही उद्देश्य था—इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और अपना सर्वश्रेष्ठ रूप बनने का अवसर देना।

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका को घरेलू मैदान पर हराकर भारत को पहली बार वरिष्ठ महिला आईसीसी विश्व कप खिताब दिलाया और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। वह भारत की पहली महिला कप्तान बनीं, जिनकी अगुवाई में टीम ने वरिष्ठ स्तर का आईसीसी विश्व कप जीता।

उन्होंने लिखा, मैंने यह सब देखा है। मैंने सबसे बुरे दौर, दिल टूटने वाले पल, आलोचना, संदेह और ऐसे दिन देखे हैं जब कुछ भी हमारे पक्ष में नहीं जा रहा था। और मैंने सबसे ऊंचे मुकाम भी देखे हैं—जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व और ऐसे पल, जिन्होंने हर त्याग को सार्थक बना दिया।

हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने रिकार्ड चार एशिया कप खिताब जीते। उनकी कप्तानी में भारत ने 2012, 2016, 2022 और 2026 में एशिया कप अपने नाम किया। उन्होंने एशियाई खेलों में भी लगातार दो स्वर्ण पदक दिलाए और भारत ने हांगझोउ 2022 तथा आइची-नागोया 2026 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

कप्तानी छोड़ने के फैसले पर हरमनप्रीत ने कहा, मैं अपने दिल में भावनाओं का सैलाब लेकर कप्तानी छोड़ रही हूं, लेकिन साथ ही मन में शांति भी है। क्योंकि मुझे वास्तव में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी स्थिति में है। यह प्रतिभा, चरित्र, विश्वास और भविष्य वाली टीम है, जिसे लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और जिसका हिस्सा बने रहना चाहती हूं। मुझे लगता है कि मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। मैं इस जिम्मेदारी को गर्व के साथ निभाया और मैं हमेशा भारतीय महिला क्रिकेट की अगुवाई करने का अवसर मिलने के लिए आभारी रहूंगी। अब मेरे लिए पन्ना पलटने का समय है।